

## श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल,  
तुम बिन रह्यो न जाय हो ॥  
बृजराज लडेतोलाडिले ॥

बंक चिते मुसकाय के लाल,  
सुंदर वदन दिखाय ॥  
लोचन तल पे मीन ज्यों लाल,  
पलछिन कल्प बिहाय हो ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

सप्त स्वर बंधान सों लाल,  
मोहन वेणु बजाय ॥  
सुरत सुहाइ बांधिके नेक,  
मधुरे मधुर स्वर गाय हो ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

रसिक रसीली बोलनी लाल,  
गिरि चढि गैयां बुलाय ॥  
गांग बुलाइ धूमरी नैक,  
ऊँची टेर सुनाय हो ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

दृष्टि परी जा दिवसतें लाल,  
तबते रुचे नहिं आन ॥  
रजनी नींद न आवही मोहे,  
बिसर्यो भोजन पान हो ॥

दर्शन को यनुमा तपे लाल,  
बचन सुनन को कान हो ।  
मिलिवे को हीयरो तपे मेरे,  
जिय के जीवन प्राण हों ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

मन अभिलाषा ह्वे रही लाल,  
लगत नयन निमेष ॥  
एकटक देखूं आवतो प्यारो,  
नागर नटवर भेष हों ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

पूर्ण शशि मुख देख के लाल,  
चित चोट्यो बाही ठोर ॥  
रूप सुधारस पान के लाल,  
सादर चंद्र चकोर हो ॥

लोक लाज कुल वेद की लाल,  
छांड्यो सकल विवेक ॥  
कमल कली रवि ज्यों बढे लाल,  
क्षणु क्षणु प्रीति विशेष हो ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

मन्मथ कोटिक वारने लाल,  
देखी डगमग चाल ॥  
युवती जन मन फंदना लाल,  
अंबुज नयन विशाल ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

यह रट लागी लाडिले लाल,  
जैसे चातक मोर ॥  
प्रेम नीर वर्षाय के लाल,  
नवघन नंदकिशोर हो ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

कुंज भवन क्रीडा करे लाल,  
सुखनिधि मदन गोपाल ॥  
हम श्री वृंदावन मालती लाल,  
तुम भोगी भ्रमर भूपाल हो ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल..

युग युग अविचल राखिये लाल,  
यह सुख शैल निवास ॥  
श्री गोवर्धनधर रूप पें,  
बलजाय चतुर्भुज दास ॥

श्री गोवर्धन वासी सांवरे लाल.

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |